

नक्सली साजिश मामले में NIA ने 12 जगहों पर छापेमारी की चर्चा में क्यों?

भारत वशिधी साजिश मामले में [राष्ट्रीय जाँच एजेंसी \(NIA\)](#) ने उत्तर प्रदेश और बहिर में 12 जगहों पर छापेमारी की।

मुख्य बदि:

- कूल में से, उत्तर प्रदेश के बलिया ज़िले में 11 स्थानों और बहिर के कँमूर ज़िले में एक स्थान की तलाशी मूल रूप से उत्तर प्रदेश के आतंकवाद वशिधी दस्ते (ATS) द्वारा दर्ज मामले के संबंध में की गई थी।
 - तलाशी अभियान के दौरान, मोबाइल फोन, समि कार्ड और मेमोरी कार्ड सहति कई डिजिटल उपकरणों के साथ-साथ प्रतबिंधति नक्सली संगठन के प्रचे जैसे आपतजनिक दस्तावेज़ ज़ब्त कयि गए।
- NIA की अब तक की जाँच के अनुसार, प्रतबिंधति संगठन उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दलिली, पंजाब, हरयाणा और हमाचल प्रदेश सहति उत्तरी कषेत्रीय ब्यूरो में अपनी उपस्थति को फरि से सक्रयि करने के लयि सक्रयि प्रयास कर रहा है।

राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (NIA)

- NIA भारत की केंद्रीय आतंकवाद-रोधी कानून प्रवर्तन एजेंसी है जो भारत की संप्रभुता, सुरक्षा और अखंडता को प्रभावति करने वाले सभी अपराधों की जाँच करने के लयि अधकृत है। इसमें शामिल है:
 - वदिशी राष्ट्रों के साथ मैत्रीपूर्ण
 - परमाणु और नाभकीय सुवधिओं के
 - हथियारों, नशीली दवाओं और नकली भारतीय मुद्रा की तस्करी तथा सीमा पार से घुसपैठ।
 - संयुक्त राष्ट्र, इसकी एजेंसियों और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों की अंतरराष्ट्रीय संधियों, समझौतों, सम्मेलनों व प्रस्तावों को लागू करने के लयि बनाए गए वैधानिक कानूनों के तहत अपराध।
- इसका गठन राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (NIA) अधनियम, 2008 के तहत कयि गया था।
- एजेंसी को गृह मंत्रालय की लिखति उद्घोषणा के तहत राज्यों की वशिष अनुमत के बिना राज्यों में आतंकवाद से संबंधति अपराधों की जाँच से नपिटने का अधकिकार है।
- मुख्यालय: नई दलिली

भारत में नक्सलवाद

- नक्सलवाद शब्द का नाम पश्चिमि बंगाल के गाँव नक्सलबाड़ी से लयि गया है।
- इसकी शुरुआत स्थानीय ज़मींदारों के खलिफ वदिरोह के रूप में हुई, जनिहोंने भूमिविवाद पर एक कसिन की पटिई की थी। वदिरोह की शुरुआत वर्ष 1967 में कानू सान्याल और जगन संधाल के नेतृत्व में मेहनतकश कसिनानों को भूमिके उचति पुनर्वतिरण के उद्देश्य से की गई थी।
- पश्चिमि बंगाल में शुरु हुआ यह आंदोलन पूरे पूरवी भारत: छत्तीसगढ़, ओडिशि के अतरिकित आंधर प्रदेश जैसे राज्यों के कम वकिसति कषेत्रों में भी फैल गया है।
- ऐसा माना जाता है कि नक्सली माओवादी राजनीतिक भावनाओं और वचिारधारा का समर्थन करते हैं।